राज्यपाल सचिवालय
राजभवन, जयपुर

पावानगर महावीर इण्टर कॉलेज का हीरक जयंती समारोह आयोजित

सतत् विकास की जड़ें भारतीय ज्ञान -विज्ञान में निहित- राज्यपाल श्री मिश्र

जयपुर, 19 नवम्बर। राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने कहा है कि सतत् विकास और मानवतावाद की जड़ें भारतीय ज्ञान-विज्ञान में ही निहित हैं और नई शिक्षा नीति इन्हीं उदात्त मूल्यों पर आधारित है।

राज्यपाल श्री मिश्र शुक्रवार को उत्तर प्रदेश में कुशीनगर जिले के पावानगर महावीर इण्टर कॉलेज फाजिलनगर के हीरक जयन्ती समारोह में सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने इस अवसर पर नई शिक्षा नीति की चर्चा करते हुए कहा कि इसमें कौशल विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है ताकि पाठ्यक्रम के अध्ययन के साथ विद्यार्थी हुनर से जुड़ कर आत्मनिर्भर बन सकें।

राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा व्यक्ति को स्थितियों-परिस्थितियों को अपने अनुकूल करते हुए भले-बुरे की पहचान करना सिखाती है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपने ज्ञान का अधिकाधिक उपयोग राष्ट्र एवं समाज हित में करें। उन्होंने कहा कि शिक्षा पाठ्यक्रम आधारित ज्ञान तक ही सीमित नहीं होकर जीवन का व्यावहारिक ज्ञान देने वाली और सोच-समझ की शक्ति विकसित करने वाली होनी चाहिए।

राज्यपाल श्री मिश्र ने कहा कि हमें वैश्विक मानकों के साथ चलते हुए इस पर भी ध्यान देना होगा कि वैश्वीकरण से हमारी संस्कृति का किसी स्तर पर नुकसान नहीं हो। उन्होंने कहा कि पावानगर में ही भगवान महावीर स्वामी ने अंतिम उपदेश दिया था और कुशीनगर भगवान बुद्ध का महापरिनिर्वाण स्थल है। उन्होंने महावीर इंटर कॉलेज के संस्थापक बाबा राघवदास को नमन करते हुए कहा कि उन्होंने अपना जीवन दीन-हीन और वंचित वर्ग की सेवा में लगा दिया। उन्होंने संस्थान के स्वर्णिम इतिहास और शैक्षिक योगदान को भी याद किया।

राज्यपाल ने कहा कि नई पीढ़ी को संविधान के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से राजस्थान में प्रदेशभर के विश्वविद्यालयों में 'संविधान वाटिका' की स्थापना की पहल की गई है। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान के समानता, न्याय और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता जैसे आदर्श जीवन मूल्यों का संचार करने में यह महत्वपूर्ण पहल साबित होगी।

उत्तर प्रदेश के श्रम एवं सेवायोजन मंत्री श्री स्वामी प्रसाद मौर्य तथा बेसिक शिक्षा मंत्री श्री सतीशचंद द्विवेदी ने भी कार्यक्रम में संबोधित किया।

राज्यपाल श्री मिश्र ने विद्यालय भवन में निर्मित कक्षों और वार्षिक पत्रिका का लोकार्पण भी किया।

समारोह में सांसद श्री रमापति राम त्रिपाठी, पूर्व सांसद श्री राजेश पाण्डेय, शिक्षाविद् एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे।

इससे पहले राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने कसया में सपहा चौराहे पर पूर्व केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री स्व. राजमंगल पांडेय की प्रतिमा का अनावरण किया।